डीईआइ की नाक ए प्लस के लिए दावेदारी

पांच सदस्यीय कमेटी ने तीन दिन किया निरीक्षण, शोध और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को सराहा

जागरण संवाददाता, आगरा: दयालबाग शिक्षण संस्थान (डीईआइ) ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नाक) की ए प्लस ग्रेडिंग के लिए दावेदारी की है। इसे लेकर नाक की पांच सदस्यीय टीम ने डीईआइ का तीन दिन निरीक्षण किया। टीम ने संस्थान की शैक्षिक गुणवत्ता को मानकों पर परखा। शोध कार्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए चल रहे प्रोजेक्ट की सराहना की।

डीईआइ को 2013 में नाक की ए ग्रेड मिली थी। ऐसे में पांच साल बाद दोबारा टीम ने निरीक्षण किया। प्रो. प्रकाश सारंगी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम ने पहले दिन 29 जुलाई को कला संकाय, वाणिज्य संकाय, शिक्षा संकाय, अभियांत्रिकी और सामाजिक विज्ञान संकाय का निरीक्षण किया। संस्थान के निदेशक प्रो. पीके कालरा ने पिछले पांच सालों में संस्थान में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, शोध कार्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी। शिक्षा के माध्यम से आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों के विकास के लिए किए जा रहे नए प्रयोगों के बारे में विस्तार से चर्चा की। संस्थान के देश विदेश में 430 सेंटर, छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स, मूल्यांकन प्रणाली और रोजगार परक कोर्स शुरू करने की जानकारी दी गई। वहीं, छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। मीडिया प्रभारी प्रो. जेके वर्मा आदि मौजूद रहे।

डीईआइ में नाक की टीम को पर्यावरण संरक्षण के लिए चल रहे प्रोजेक्ट की जानकारी देते शिक्षक ● जागरण

नैक के सामने डीईआई ने रखा उपलब्धियों का ब्योरा

आगरा | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैकः नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिशन काउंसिल) की टीम ने दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। तीन दिन तक चले निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न संकाय का दौरा किया। यहां की कार्यप्रणाली देखी। छात्रों से पूछताछ की। शोध कार्य देखे। पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों का जायजा लिया।

टीम के समक्ष संस्थान के निदेशक प्रो. पीके कालरा ने पांच साल की उपलब्धियों का लेखा-जोखा रखा। कहा, संस्थान में श्रम और शिक्षा का मतलब बेहतर सामुदायिक विकास की संभावनाओं पर कार्य है। शिक्षा सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. पीएस सत्संगी ने बताया कि टीम से डीईआई के पुराने छात्रों से मिलवाया गया। निरीक्षण के दौरान शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

यह खूबियां भी रखी गईं

- आगरा के अलावा देश-विदेश में 430 केन्द्रों पर शिक्षा की उपलब्धता
- कमजोर बच्चों को रेमेडियल कोचिंग, रोजाना गृह कार्य से मूल्यांकन
- कम खर्च पर मूल्य आधारित गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की उपलब्धता।

कंपनी नहीं दे रही वेतन, हंगामा

आगरा। डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन करने वाले कंपनियों के यहां लगे वाहन चालकों ने नगर निगम में हंगामा कर दिया। कहा पिछले तीन महीने से कंपनी ने उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया है।

करीब 43 संविदा कर्मचारियों ने सुबह ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एमएंडटी वर्कशाप पर हंगामा किया। वाहन निकालने से इनकार कर दिया। सफाई कर्मचारी नेता विनोद इलाहाबादी भी पहुंच गए। उनके नेतृत्व में वाहन चालकों ने नगर निगम और कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद वे सभी गाड़ियों को लेकर नगर निगम पहुंच गए। वीआईपी वाहनों के लिए आरक्षित मार्ग पर कूड़े वाली गाड़ियां खड़ी कर दीं। अपर नगर आयुक्त केबी सिंह ने कंपनी के प्रतिनिधि को बुलाया। वेतन देने को कहा।

12:03 73%

Ringtone

Classical Music in the U.S.

Go USA

100

101

एंबुलेंस 102

103

1031

104

106

ता हेतु 108

न

1076

बदलने हेतु 1912

डीईआइ की नाक ए प्लस के लिए दावेदारी

पांच सदस्यीय कमेटी ने तीन दिन किया निरीक्षण, शोध और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को सराहा

जागरण संवाददाता, **आगरा**: दयालबाग शिक्षण संस्थान (डीईआइ) ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नाक) की ए प्लस ग्रेडिंग के लिए दावेदारी की है। इसे लेकर नाक की पांच सदस्यीय टीम ने डीईआइ का तीन दिन निरीक्षण किया। टीम ने संस्थान की शैक्षिक गुणवत्ता को मानकों पर परखा। शोध कार्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए चल रहे प्रोजेक्ट की सराहना की।

डीईआइ को 2013 में नाक की ए ग्रेड मिली थी। ऐसे में पांच साल बाद दोबारा टीम ने निरीक्षण किया। प्रो. प्रकाश सारंगी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम ने पहले दिन 29 जुलाई को कला संकाय, वाणिज्य संकाय, शिक्षा संकाय, अभियांत्रिकी और सामाजिक विज्ञान संकाय का निरीक्षण किया। संस्थान के निदेशक प्रो. पीके कालरा ने पिछले पांच सालों में संस्थान में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, शोध कार्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए कार्यों की जानकारी दी। शिक्षा के माध्यम से आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों के विकास के लिए किए जा रहे नए प्रयोगों के बारे में विस्तार से चर्चा की। संस्थान के देश विदेश में 430 सेंटर, छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स, मूल्यांकन प्रणाली और रोजगार परक कोर्स शुरू करने की जानकारी दी गई। वहीं, छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। मीडिया प्रभारी प्रो. जेके वर्मा आदि मौजूद रहे।

डीईआइ में नाक की टीम को पर्यावरण संरक्षण के लिए चल रहे प्रोजेक्ट की जानकारी देते शिक्षक • जागरण

लोक सेवा आयोग मे... इंस्पेक्टर के पद खा...

जागरण संवाददाता, **आगरा**: मिजोरम लोक सेवा आयोग में एक्साइज इंस्पेक्टर के पदों पर भर्तियां होने वाली हैं। जो इन पदों पर आवेदन करना चाहते हैं, वे विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।

शैक्षिक योग्यता: किसी मान्यता प्राप्त संस्थान / विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री प्राप्त होना आवश्यक है।

आवेदन शुल्क: एससी / एसटी उम्मीदवारों के लिए 150 रुपये अन्य सभी उम्मीदवारों के लिए 300 रु...

आव...

अंतिम...

आयु...

आयु सी...

नियमानु...

आव...

उम्मीदव...

भरे गए...

दस्तावेज...

चय...

चयन कि...

किया ज...

पीएचडी कोर्स वर्क

शिक्षकों के सम्मेलन में

3August-1

डीईआई में तीन दिन तक हुआ नैक टीम का निरीक्षण

अकादमिक गतिविधियों और सृजनात्मक क्रियाकलापों के लिए डीईआई संस्थान बेजोड़–प्रो. प्रकाश सारंगी

तीन दिवसीय रिपोर्ट (प्रथम दिन)

आर.बी.सिंह यादव

आगरा, २ अगस्त। किसी भी विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और उसके क्रियाकलापों का मूल्यांकन करने के लिए भारत सरकार की तरफ से राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद को नियुक्त किया गया है। वह देशभर के सभी विश्वविद्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता जांचते हुए मूल्यांकन करती है। इसके लिए देशभर के सभी विश्वविद्यालय अपनी-अपनी संस्थाओं को अच्छा दिखाने के लिए पूरी तैयारियां करते हैं। लेकिन नैक निरीक्षण के दौरान जांची गयीं बारीकियों में शिक्षा संस्थान खरे नहीं उतरते। इसी क्रम में पिछले २९ जुलाई को नैक की पांच सदस्यीय टीम ने दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट डीईआई का तीन दिवसीय निरीक्षण कार्य क्रम शुरू किया। नैक टीम डीईआई की बेजोड़ व्यवस्थाओं को देखकर बहुत खुश नजर आयी और पहले ही दिन डीईआई के जो-जो संस्थान टीम ने देखे सभी को देखकर टीम काफी उत्साहित नजर आयी और विश्वविद्यालय के छात्रों से लेकर टीचर और प्रबंधन के कार्यों से खुश दिखाई दी। इस अवसर पर टीम प्रमुख प्रो.प्रकाश सारंगी ने कहा कि अकादिमक गतिविधियां और सृजनात्मक क्रियाकलाप डीईआई के अंदर बेजोड़ दिखाई देते हैं।

डीईआई द्वारा विकसित पार्क का नैक टीम को निरीक्षण कराते डायरेक्टर पी.के.कालरा। छाया: आज

पांच सदस्यीय टीम के सामने संस्थान के निदेशक प्रो. पी.के. कालरा ने संस्थान के विगत पांच वर्ष की उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि दयालबाग की शिक्षानीति के आदर्शों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता युक्त और मूल्यपरक शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यू[illegible]त है। हमारे लिए श्रम औ[illegible]ब बेहतर सामुदा[illegible]की संभावनाओं पर का[illegible]

(शे[illegible] पर)

दिया है कि यह सिर्फ भारत और विवाद को सुलझाना भारत और उन्होंने इस संबंध में जानने के लहजे हस्तक्षेप करेगा।

डॉक्टरों की मांग मानने के मूड में है।

डीईआई में तीन दिन तक हुआ नैक टीम का निरीक्षण

अकादमिक गतिविधियों और सृजनात्मक क्रियाकलापों के लिए डीईआई संस्थान बेजोड़-प्रो. प्रकाश सारंगी

तीन दिवसीय रिपोर्ट
(प्रथम दिन)

आर.बी.सिंह यादव

आगरा, २ अगस्त। किसी भी विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और उसके क्रियाकलापों का मूल्यांकन करने के लिए भारत सरकार की तरफ से राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद को नियुक्त किया गया है। वह देशभर के सभी विश्वविद्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता जांचते हुए मूल्यांकन करती है। इसके लिए देशभर के सभी विश्वविद्यालय अपनी-अपनी संस्थाओं को अच्छा दिखाने के लिए पूरी तैयारियां करते हैं। लेकिन नैक निरीक्षण के दौरान जांची गयीं बारीकियों में शिक्षा संस्थान खरे नहीं उतरते। इसी क्रम में पिछले २९ जुलाई को नैक की पांच सदस्यीय टीम ने दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट डीईआई का तीन दिवसीय निरीक्षण कार्य क्रम शुरू किया। नैक टीम डीईआई की बेजोड़ व्यवस्थाओं को देखकर बहुत खुश नजर आयी और पहले ही दिन डीईआई के जो-जो संस्थान टीम ने देखे सभी को देखकर टीम काफी उत्साहित नजर आयी और

डीईआई द्वारा विकसित पार्क का नैक टीम को निरीक्षण कराते डायरेक्टर पी.के.कालरा। छाया: आज

विश्वविद्यालय के छात्रों से लेकर टीचर और प्रबंधन के कार्यों से खुश दिखाई दी। इस अवसर पर टीम प्रमुख प्रो.प्रकाश सारंगी ने कहा कि अकादिमक गतिविधियां और सृजनात्मक क्रियाकलाप डीईआई के अंदर बेजोड़ दिखाई देते हैं।

पांच सदस्यीय टीम के सामने संस्थान के निदेशक प्रो. पी.के. कालरा ने संस्थान के विगत पांच वर्ष की उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि दयालबाग की शिक्षानीति के आदर्शों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता युक्त और मूल्यपरक शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट कृतसंकल्पित है। हमारे लिए श्रम और शिक्षा का मतलब बेहतर सामुदायिक विकास की संभावनाओं पर काम करना है।

(शेष पृष्ठ ३ पर)

नैक की टीम डीईआई छात्रों को देख हुई बेहद प्रभावित

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में नैक की टीम ने किया निरीक्षण

द सी एक्सप्रेस न्यूज

आगरा। दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में तीन दिवसीय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् नैक के निरीक्षण का कार्य आरम्भ हुआ। टीम के सामने संस्थान के निदेशक प्रो. पीके कालरा ने संस्थान के विगत पांच वर्ष की उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि दयालबाग की शिक्षानीति के आदर्शों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता युक्त और मूल्यपरक शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट कृत संकल्पित है। हमारे लिए श्रम और शिक्षाका मतलब बेहतर सामुदायिक विकास की संभावनाओं पर काम करना है। कौशल आधारित शिक्षा आज की जरूरत है। हम शिक्षा के माध्यम से एक बेहतर समाज और देश की जरूरतों को पूरा करने लायक युवाशक्ति के निर्माण में संलग्न है।अध्यक्ष, शिक्षा सलाहकार समिति प्रो.

पीएस सत्संगी ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का विकास हो सकता है। बेहतर शिक्षा पूर्ण व्यक्तित्त्व के विकास की अनिवार्य शर्त है। यह तभी संभव है जबकि चेतना को संस्कारित कर मन की गतिकी को नियंत्रित किया जाए। दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट अपने आध्यात्मिक और नैतिक वातावरण में पूर्ण मनुष्य की सार्थक खोज के पवित्र उद्देश्य से संचालित है।

टीम ने कला संकाय, वाणिज्य संकाय, शिक्षा संकाय, अभियांत्रिकी और सामजिक विज्ञान संकाय का दौरा किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कौशल विकास पाठ्यक्रमों और शोध कार्यक्रमों को उल्लेखनीय पाया। पाठ्यक्रम की सामजिक उपादेयता और उसके प्रभावों की व्यापक चर्चा हुई। यह पाया गया कि पाठ्यक्रम मूल्यपरक होने के साथ-साथ आत्मनिर्भर नागरिक बनाने में पूरी तरह सक्षम है। विशेष रूप से यह उल्लेखनीय है कि नैक टीम के सदस्यों ने अलग-अलग रूप से छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से प्रश्न किए और पाठ्यक्रम के लक्ष्य और उसकी प्राप्ति के तरीकों से प्रभावित हुए। विश्वविद्यालय के पुरा छात्रों से भी टीम के सदस्य मिले। विश्वविद्यालय के विकास में पुरा छात्रों के योगदान के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। पुरा छात्रों ने टीम के सामने इस बात को रखा कि विश्वविद्यालय के गुणात्मक पाठ्यक्रम और सहचर्या क्रियाकलापों की वजह से जीवन और समाज को देखने की एक सर्वथा मौलिक दृष्टि मिली, जिसके चलते वे जीवन में एक सफल मुकाम हासिल कर सके।

मीडिया प्रभारी प्रो. जेके वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से टीम के सामने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई। कथक नृत्य, गजल गायन, नाटक, इंस्ट्रुमेंटल और समूह गान की प्रस्तुतितियों ने नैक टीम को मंत्रमुग्ध किया।

सलाह दी था। राज्यपाल ने में थे। यह दावा सरकार के सूत्रों ने कारणों से जम्मू-कश्मीर के से स्थगित कर दिया गया है। की जा रही थी।

डीईआईः सामुदायिक सेवाओं के जरिए छात्रों को शिक्षा पर नैक टीम बेहद खुश

तीन दिवसीय रिपोर्ट (दूसरा दिन)

आर.बी.सिंह यादव

आगरा, ३ अगस्त। यों तो नैक की टीम डीम्ड विवि. दयालबाग की आंतरिक स्तर पर दी जा रही शिक्षा प्रणाली और उसके कार्यक्रमों के साथ-साथ छात्रों को विवि. द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे प्रयोगात्मक तरीकों को देखकर उनका मूल्यांकन करने के लिए भेजा जाता है लेकिन जब नैक टीम ने दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट के शैक्षिक सिस्टम को पूरी तरह से देखा तो पाया कि विवि. अपने आंतरिक स्तर पर तो बेहतर शिक्षा देने का काम करता ही है वहीं विवि. सामुदायिक कार्यक्रमों और गतिविधियों के जरिये छात्र-छात्राओं को पढ़ाई का असली महत्व भी बताता है ये सारे कार्यक्रम विवि. से बाहर कराये जाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों को देखकर नैक की टीम की आंखें चौधिया गईं क्योंकि डीईआई के जितने भी छात्र हैं उन सभी को विवि. के सिल. बस के साथ-साथ उसकी मदर संस्था दयालबाग के द्वारा जो सामुदायिक कार्यक्रम चलाये जाते हैं उनसे छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन के अनेक और पहलुओं की जानकारी हासिल कराई जाती है। छात्रों के सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेने और उनसे जबरर्दस्त सीख मिलने की संभावनाओं को देखकर नैक टीम ने इसे बहुत गंभीरता से लिया और विवि. के प्रबंधन तथा उसके साथ-साथ छात्रों को इसके लिए बधाई दी। टीम का विवि. में यह दूसरा दिन था। जिसे डीईआई के निदेशक पी.के.कालरा ने नैक की टीम को उन केन्द्रों का भ्रमण कराया जहां छात्र-छात्राएं शिक्षा के साथ-साथ जीवन के अंदर भविष्य में होने वाली गतिविधियों की जानकारी हासिल करते हैं।

दयालबाग के सामुदायिक गतिविधियों की एक मीटिंग में नैक टीम के साथ निदेशक पी.के.कालरा। -----------छाया: आज

नैक टीम के सदस्यों ने दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के कैम्पस के बाहर की गतिविधियों का मुआयना किया। नैक के मूल्यांकन की परिधि के अंतर्गत सात मानक बनाए गए थे। कल के प्रकाशित समाचार में प्रथम, द्वितीय और तृतीय मानक अर्थात पाठ्यक्रम, शिक्षण, अधिगम, मूल्यांकन शोध और अन्वेषण संबंधित था। दूसरे दिन अन्य मानकों जैसे संसाधन और स्रोत, विद्यार्थी सहायता व प्रगति, प्रशासन, नेतृत्त्व क्षमता प्रबंधन, संसथान के मूल्य और व्यवहार तथा विस्तारित सेवाओं का विधिवत मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के तहत संस्थान में मौजूद भौतिक सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का पता लगाना भी टीम का एक दायित्त्व था।

विश्वविद्यालय के लिए यह जरूरी होता है कि उसका योगदान समाज के भीतर भी दिखाई पड़े। समाज और संस्था के जीवंत रिश्ते की पहचान इस बात से की जा सकती है कि वह ज्ञान के उत्पादन के साथ.साथ सामाजिक जरूरतों को पूरा करने में किस हद तक सक्षम है। इस लिहाज से देखें तो दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के लिए संस्था की राष्ट्रीय सेवा योजना की मदद से सौ से ज्यादा निःशुल्क मेडिकल कैम्प, सरन आश्रम अस्पताल तथा आयुष विभाग ने ग्रामीणों की स्वास्थय संबंधी समस्याओं से निजात दिलाने में काफी हद तक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। (शेष पृष्ठ ३ पर)

की मुश्किलें इन दिनों बढ़ती जा रही है। उनके खिलाफअब जमीन कब्जाने के मामले में एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। बीते कुछ दिनों में सपा सांसद के खिलाफअब तक 27 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। इससे पहले शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आजम खान पर कार्रवाई करी थी. ईडी ने आजम खान पर अब मनी लॉन्ड्रिंग के तहत केस दर्ज किया है। उत्तर प्रदेश

एफआईआर दर्ज
पर किसानों
कुल 27 मामले
चलते आजम
रुपये के जमीन
वहीं उत्तर प्रदेश
आजम खान
रिसॉर्ट हमसफ
जमीन कब्जाने
जारी किया है।

नम आंखों ने शहीद की

frjaxs dh [kq'kcw es l jkckj gqvk l epk c`t {ks=

पवन अग्रवाल

dks hdyk] 3 vxLrA ulnckck dh dkskLFkyh dks hdyka ea ikr% l s"kghn dh ; kn eafrjaxs ygjrsjgsA {ks=okl h iydafoNk; s ue vk[kka l s tEew d"ehj ds "kkfi ; kaftys ds ikMhq l u bykds ea vkradokfn; ks l s ykgk ysrs "kghn gq c`t {ks= ds "kgj dks h ds l ehi orhZ xkao gqyokuk ds yky jkeohj ds ikfFkZo "kjhj ds vkusdk bUrtkj dj jgsFksA tS s gh "kghn dk ikfFkZo "kjhj xko igqpk oS s gh l epk xkao "kghn jkeohj dsftUnkokn ds t; dkjks l s xqtk; eku gksx; kA ikfFkZo "kjhj ds l kFk igqps dfcuV

ea=h l fgr i'
,oa ikfFkZo "kj
ds vf/kdkfj
"kgknr dks u
fonkbZ nhA
xkSryc
tEew d"ehj
ikMhq l u byk

बोल बम..
से
अगर बाबा से कर